विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग नवम् विषय संस्कृत शिक्षक -श्यामउदय सिंह

ता: -10-04-2021 (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

- **श्लोक**

  वहति मन्दमन्दं सनीरे समीरे
  कलिन्दात्मजायास्सवानीरतीरे,
  नतां पङ्क्तिमालोक्य मधुमाधवीनाम् ।
  निनादय .....।।

- शब्दार्था:

  मन्दमन्दम् -धीरे धीरे
  वहति -बहती हुई
  कलिन्दात्मजाया: - यमुना के
  अवलोक्य -देखकर

- सरलार्थ

  वाणी (सरस्वती) !यमुना नदी के बेंत की लता से युक्त तट पर धीरे धीरे बहती हुई
  जल से परिपूर्ण (शीतल) हवा में (फूलों से) झुकी हुई मधुर मालती की पंक्ति को
  देखकर (तुम नई वीणा को बजाओ)।